VSA
A New English Medium School
Little Steps'
Pre Primary wing of VSA
VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Subject-Hindi Class 10 Topic- अपठित गद्यांश

नीचे दिए गए गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(1) भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो लोग धर्मभीरू हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते। इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-भीतर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म, कानून से बड़ी चीज है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और अध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है, दूसरों को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है। हर आदमी अपने व्यक्तिगत जीवन में इस बात का अनुभव करता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ख) कानून को धर्म के रूप में देखने का क्या आशय है?

(ग) भारतवर्ष के लोग धर्म की किन बातों को आज भी मानते हैं?

(घ) 'सम्मान' शब्द से पूर्व जुड़े 'सम्' उपसर्ग के स्थान पर एक अन्य ऐसा उपसर्ग जोड़िए कि विलोम शब्द बन जाय।

Scanned with CamScanner

उत्तर:

(क) गद्यांश का उचित शीर्षक-' धर्म और कानून।

(ख) धार्मिक निषेधों का उल्लंघन नहीं होता था। ऐसा करने से लोग डरते थे। कानून को भी धर्म के समान ही। मानकर उसका पालन करना जरूरी समझा जाता था। धर्मभीरू लोग कानून की कमी का लाभ नहीं उठाते थे।

(ग) मनुष्यों से प्रेम करना, महिलाओं का आदर करना, झूठ बोलने से बचना, चोरी न करना तथा दूसरों को न सताना आदि धार्मिक सदुपदेशों को लोग आज भी मानते हैं।

(घ) "सम्मान शब्द से पूर्व 'सम्' उपसर्ग लगा है। इसको हटाकर उसके स्थान पर 'अप' उपसर्ग जोड़ने से 'अपमान' शब्द बनता है, जो सम्मान का विलोम शब्द है।

Scanned with CamScanner